

---

# Rishikashyapaproktam Shiva Dhyanam

——  
ऋषिकश्यपप्रोक्तं शिवध्यानम्

——  
Document Information



---

Text title : Rishikashyapaproktam Shiva Dhyanam

File name : RRIshikashyaproktaMshivadhyAnam.itx

Category : shiva, shivarahasya, dhyAnam, aShTaka

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhImAkhyah aShTamAMshah | adhyAyaH 19 | 7-14||

Latest update : July 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 5, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Rishikashyapaproktam Shiva Dhyanam

---

### ऋषिकश्यपप्रोक्तं शिवध्यानम्

---



(शिवरडस्थान्तर्गते लीमाष्ये)

दृत्पद्मसद्मगं देवं त्रिलोत्रं यन्द्रशेभरम् ।

सर्वाभराणसंयुक्तं कुलपञ्च्यमुभाम्बुजम् ॥ ७ ॥

त्रिपुण्ड्रेनोज्ज्वलत्फालं कुपाशाढि त्रिशूलभृत् ।

वृत्तबाहुं य निर्भृष्टप्रभाभराणशोभितम् ॥ ८ ॥

सर्वाङ्गसुन्दरीं देवीं यन्द्रार्धमकुटोज्ज्वलाम् ।

नासाभराणशोभाढ्यां रत्नाभराणामसुराम् ॥ ९ ॥

ताटङ्कुद्रयसंशोभिमडेन्दुसदृशाननाम् ।

मडागन्धजकस्तूरी पाटीरद्रवलेपिताम् ॥ १० ॥

यम्पदैर्मल्लिकाजामालतीसरभूषिताम् ।

ताम्बूलरागसंशोभि बिम्बाधरमनोडराम् ॥ ११ ॥

उस्तद्रयाग्रसंशोभि किङ्किणीनूपुरोज्ज्वलाम् ।

कुललेलकडस्तात्रां उरवामाङ्गुगां सदा ॥ १२ ॥

पार्श्वद्वये षडास्येन गजास्येन य शोभिताम् ।

ध्यायेदेवं मडादेवं साम्भं यारुत्रिलोचनाम् ॥ १३ ॥

शुद्धस्फटिकसङ्काशं नीलकण्ठं शिवां तथा ।


मडामरतडीगर्भसञ्छायां यारुडासिनीम् ॥ १४ ॥

॥ ०ति शिवरडस्थान्तर्गते ऋषिकश्यपप्रोक्तं शिवध्यानं सम्पूर्णम् ॥


- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । लीमाष्यः अष्टमांशः । अध्यायः १९ । ७-१४ ॥

- .. shrIshivarahasyam . bhImAkhyaH aShTamAMshaH . adhyAyaH 19 . 7-14..

Proofread by Ruma Dewan

——  
*Rishikashyapaproktam Shiva Dhyanam*

pdf was typeset on July 5, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

